रुद्रप्रयाग की मछलियाँ

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

प्रस्तावना

रुद्रप्रयाग, ६१० मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक छोटा सा शहर अपनी धार्मिक महत्वता के लिए जाना जाता है। भगवान शिव यहाँ रुद्रनाथ के रूप में स्थापित हैं। मध्य हिमालय के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित रुद्रप्रयाग विभिन्न प्रकार के परिदृश्यों का क्षेत्र है। अलकापुरी ग्लेशियर से शुरु होने वाली नदी अलकनंदा बद्रीनाथ धाम से निकलती है, मंदाकिनी नदी केदारनाथ से बहती है। रुद्रप्रयाग, इन दोनों नदियों; अलकनंदा और मंदाकिनी के संगम पर स्थित है। इसके अतिरिक्त यहाँ कई बड़ी नदियां जैसे पिंडार, नंदाकिनी, धौलीगंगा बहती हैं। इन नदियों में विभिन्न प्रकार की मछली की प्रजातियों की विविधता है। इन नदियों की धाराएँ मछली के निर्वाह के लिए विविध निवास स्थान प्रदान करती हैं। कुछ मछली तेज धारा में रहती हैं और कुछ ठहरे पानी में, कुछ मछली पानी की ऊपरी सतह पर रहती हैं और कुछ पानी के नीचे। इन नदियों में कई प्रकार की मछलियां पायी जाती हैं जिनमे प्रमुख हैं; स्नोट्राउट, हिमालयन महाशीर, गैलिपटोथोरैक्स पेक्टिनोप्टेरस, नीमाकइलस प्रजाति और हिल ट्राउट की प्रजाति जैसे ऑपसेरिअस बेंडेलिसिस, बरिलियस वागरा एवं अन्य। इसके अतिरिक्त नदी के पास पाए जाने वाले जीव औटर यानी ऊद बिलाव की एक प्रजाति का अभिलेख भी यहाँ मिलता है। इन मछलियों का जीवन इन्ही तेज और साफ नदियों से जुड़ा है। इनके संरक्षण के लिए इन प्रजातियों के जीवन काल, निवास स्थान, प्रजनन समय और वितरण को जानना आवश्यक है।

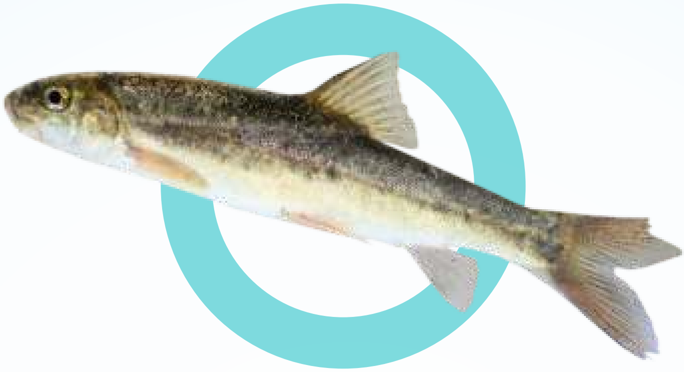

1 | *Schizothorax richardsonii* (Common snowtrout)

शाइजोथोरैक्स रिचर्डसोनाइ (स्नोट्राउट)

- **आवास :** यह मछली हिमालय क्षेत्र की पहाड़ी नदियों में चट्टानों के बीच पाई जाती है।
- **पहचान :** इसका आकर लम्बा, त्रिकोण–गोल मुँह, सर चपटा, शरीर पर बिंदु और शल्क छोटे होते हैं। मुँह नीचे की तरफ पत्थर से चिपकने में सहायक होता है।
- **आहार :** यह चट्टानों पर स्थिर काई खाती है।
- **प्रजनन काल :** यह मछली मुख्य रूप से सर्दी और गर्मी के समय में प्रजनन करती है।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: संवेदनशील (Vulnerable)

2

Schizothorax progastus
(Dinnawah snowtrout)

शाइजोथोरैक्स प्रोगस्टस
(दिननवा स्नोट्राउट)

- **आवास :** यह मछली हिमालय क्षेत्र की पहाड़ी नदियों में चट्टानों के बीच पाई जाती है।
- **पहचान :** इसका आकर लम्बा, हल्का गोल, नुकीली नाक और शल्क छोटे होते हैं। मुँह नीचे की तरफ पत्थर से चिपकने में सहायक होता है।
- **आहार :** यह चट्टानों पर स्थिर काई खाती है।
- **प्रजनन काल :** यह मछली मुख्य रूप से सर्दी और गर्मी के समय में प्रजनन करती है।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

3

Tor putitora
(Golden mahseer)

टोर प्यूटिटोरा
(हिमालयन महाशीर)

- **आवास :** यह मछली हिमालय क्षेत्र की पहाड़ी नदियों में गहरे–चलते, ऑक्सीजन युक्त और तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती है।
- **पहचान :** महाशीर मछली को उनके बड़े शरीर, मोटे शक्तिशाली होंठों, बड़े शल्क और बारबेल्स से पहचाना जाता है।
- **आहार :** यह काई, कीड़े, छोटी मछली आदि खाती है।
- **प्रजनन काल :** यह मछली आमतौर पर बाढ़ के दौरान प्रजनन करती है और अंडे देते समय बजरी का इस्तेमाल करती है।
- **वितरण :** अलकनंदा–भागीरथी, नायार, कोसी, रामगंगा, सरयू और काली नदियों की सहायक नदियों में वितरित है।
- **विशेषता :** यह मछली नदियों में बाघ के रूप में जानी जाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: लुप्तप्राय (Endangered)

4

Glyptothorax pectinopterus
(Stream catfish)

गैलिपटोथोरैक्स पेक्टिनोप्टेरस
(स्ट्रीम कैटफिश)

- **आवास :** यह मछली कम गहराई और तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती है।
- **पहचान :** आकार मध्यम और हल्का दबा हुआ होता है। मूछें होने के कारण इस मछली को नदी बिल्ली कहा जाता है।
- **आहार :** यह पानी के नीचे के स्तर में रहते हुए काई खाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

5

Pseudechenesis sulcata
(Torrential catfish)

सीडस्चेनेसिस सल्केट्टा
(टोरेन्सियल कैटफिश)

- **आवास :** स्यूडाईसिनिस प्रजाति प्रमुख नदी के कम गहराई पानी में पाई जाती है।
- **पहचान :** इस मछली का आकार मध्यम, पेट चपटा और मुँह पर पत्थर से चिपकने वाले उपकरण होते हैं।
- **आहार :** यह पानी के नीचे के स्तर में रहते हुए काई और जल पौधे खाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूचीः कम चिंताजनक (Least concern)

6

Nemacheilus montanus
(Stone loach)

नीमाकइलस मोंटेनस
(गदियाल मछली)

- **आवास:** यह मछली मध्यम गहराई और तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती है।
- **पहचान:** इस मछली का आकार मध्यम और एक समान गहराई होता है। मुँह पर पत्थर से चिपकने वाले उपकरण होते हैं।
- **आहार:** यह पानी के नीचे के स्तर में रहते हुए काई खाती है।
- **दुष प्रभाव:** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि हैं।
- **वितरण:** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति:** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

7 *Nemacheilus rupicola*
(Stone loach)

नीमाकइलस रुपिकौला
(गदियाल मछली)

- **आवास :** यह मछली मध्यम गहराई और बजरी, कंकड़ पर तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती है।
- **पहचान :** इस मछली का आकार मध्यम और एक समान गहराई के साथ होता है। मुँह पर पत्थर से चिपकने वाले उपकरण होते हैं।
- **आहार :** यह पानी के नीचे के स्तर में रहते हुए काई खाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि हैं।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

8

Opsarius bendelisis
(Fatkua)

ऑपसेरिअस बेंडेलिसिस
(फ़टकुआ)

- **आवास :** यह मछली कम गहराई, ऑक्सीजन युक्त और बड़े पत्थर युक्त नदियों में पाई जाती है।
- **पहचान :** यह मछली छोटे आकार की होती है और शल्क का आकार भी छोटा होता है।
- **आहार :** यह काई और जल पौधे खाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि हैं।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

9 | ***Barilius vagra***
(Fatkua)
बरिलियस वागरा
(फ़टकुआ)

- **आवास :** यह मछली कम गहराई, ऑक्सीजन युक्त और बड़े पत्थर सहायक नदियों में पाई जाती है।
- **पहचान :** इस मछली का आकर छोटा और शल्क पर छोटी–छोटी धारी रहती हैं।
- **आहार :** यह काई और जल पौधे खाती है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि हैं।
- **वितरण :** उत्तराखंड में यह अलकनंदा, मंदाकिनी, नंदाकिनी, पिंडर, भगीरथी और यमुना नदी में व्यापक रूप से वितरित है।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: कम चिंताजनक (Least concern)

10

Naziritor Chylenoides
(Dark mahseer)

नज़ीरिटौर चौलिनोइड्स
(डार्क महासीर)

- **आवास :** यह मछली हिमालय क्षेत्र की पहाड़ी नदियों में गहरे–चलते, ऑक्सीजन युक्त और तेजी से बहने वाली धाराओं में पाई जाती है।
- **पहचान :** इस मछली का आकर छोटा, बड़े शल्क और बारबेल्स होते हैं।
- **प्रजनन काल :** यह मछली आमतौर पर बाढ़ के दौरान प्रजनन करती है और अंडे देते समय बजरी का इस्तेमाल करती है।
- **आहार :** यह मछली गिरे हुए गले पत्ते खाती है।
- **वितरण :** अलकनंदा–भागीरथी, नायार, कोसी, रामगंगा, सरयू और काली नदियों की सहायक नदियों में वितरित है।
- **दुष प्रभाव :** ज्यादा मछली पकड़ना, अवैध मछली पकड़ना, बांध बनाना, जल प्रदूषण आदि हैं।
- **संरक्षण स्थिति :** IUCN लाल सूची: संवेदनशील (Vulnerable)

Resource Team

Wildlife Institute of India, Dehradun

Bhawna Dhawan
Vineet K. Dubey
Aashna Sharma
J. A. Johnson
K. Sivakumar

Uttarakhand Forest Department

Vaibhav Kumar Singh, I.F.S.
Deputy Conservator of Forests
Rudraprayag, Uttarakhand

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

सम्पर्कः

प्रभागीय वनाधिकारी, रुद्रप्रयाग

वन विभाग,

जिलाः रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड